

भाग - 3
715-12-35

मूल अधिकार
↓
मौलिक अधिकार

— fundamental-Rights.

- ⇒ सर्वप्रथम मूल अधिकार की भाँग - 1925 में एनी बेसेंट के द्वारा किया गया था।
- ⇒ सन्-1928 में नेहरू Report संविधान में अधिकार की बात किया गया।
- ⇒ सन्-1931 में कश्मी अधिवेशन में मूल अधिकार का भाँग किया गया।
सुधार व लक्ष्य भाई

⇒ राज्य के विरुद्ध जमता का अधिकार है।

↓
"सेवा का अधिकार"

↓
प्रिटेन ⇒ सू. 1215 ⇒ जमता का अधिकार

↓
मैजनाकार्टा

⇒ "मूल अधिकार" को भारतीय संविधान का मैजनाकार्टा कहते हैं।

⇒ मूल अधिकार पर विधि बनाने का अधिकार संसद के पास है।

↳ मूल अधिकार को लागू करने का अधिकार अरु-32 के तहत उच्चतम न्यायालय तथा 226 के तहत उच्च न्यायालय के पास है।

↳ मूल अधिकार को "राष्ट्रीय आपातकाल" के स्थिति में ^{अनु-352} मूल अधिकार को निलम्बित करने की शक्ति है।

* राठ आ०का० की घोषणा होते ही अरु-19 तत्काल प्रभाव से निलम्बित

* 44वा-CA-A-1978 के द्वारा अरु-20 मौ० 131 किसी भी दशा में निलम्बित नहीं होगा।

↳ यह अधिकार साकारात्मक और नाकारात्मक दोनों हैं।



प्रदान किया गया



प्रतिबंध लगाया गया।

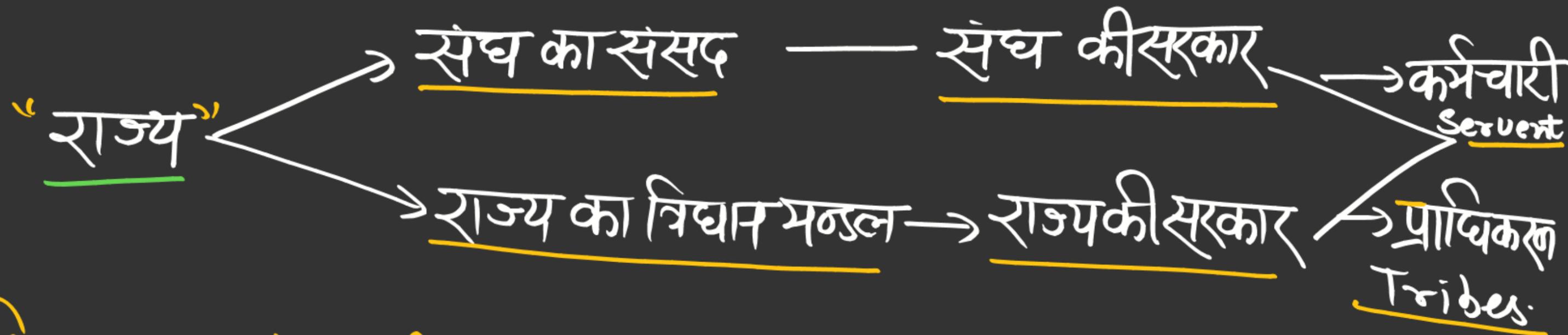
↳ यह अधिकार सिमित (Limited) है।

↳ मूल अधिकार भारतीय और विदेशी दोनों के लिए हैं, लेकिन अनु. 15, 16, 19, 29, 30 को छोड़कर क्योंकि यह केवल भारतीय नागरिकों का अधिकार।

① स्वैच्छिक उपचारों का अधिकार - अठ-32 ⇒ 1 अठ०
आरम्भ में मूल अधिकार 7 थे, अब 6 हैं।

- | | संख्या |
|--|--|
| ① ⇒ समता या समानता का अधिकार - अनु०-14-18 | 5 अनु० |
| ② ⇒ स्वतन्त्रता का अधिकार - अठ-19-22
↳ मूल अधिकार का मेरु रज्जू | 4 अनु० |
| ③ ⇒ शोषण के विरुद्ध अधिकार - अठ-23 और 24 | 2 अठ० |
| ④ ⇒ धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार - अठ-25-28 | 4 अनु० |
| ⑤ ⇒ शिक्षा संस्कृति संरक्षण का अधिकार - अठ-29 और 30 | 2 अनु० |
| ⑥ ⇒ सम्पत्तिक अधिकार - अठ-31
↳ विधिक अर्थ (अर्थ) | गिनित - 44वां C.A.A. |

अनु०-१२ :- "राज्य" को परिभाषित किया गया है।



प्राधिकरण :- पंचायती राज व्यवस्था, P.V. Ltd., नवरत्ना, महारत्ना
LIC.

